दृष्टि The Vision

drishti

GENERAL STUDIES (Test–2)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

DTVF/23 (J-A)–M–**GSM (P-III)-2302**

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: Vikas Kumar Meena

Mobile Number:

Medium (English/Hindi): Hindi

Reg. Number: 9664083287

Center & Date: Nehru vihar, 27-06-23

UPSC Roll No. ***(If allotted)*****:** 0837686

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **बीस** प्रश्न हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं।*
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH**.*
All the questions are compulsory.
The number of marks carried by a question is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए (To be filled by Evaluator only)

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.		11.	
2.		12.	
3.		13.	
4.		14.	
5.		15.	
6.		16.	
7.		17.	
8.		18.	
9.		19.	
10.		20.	
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

1. "अध्यादेश का पुनः प्रख्यापन, संविधान के साथ एक छल तथा लोकतांत्रिक विधायी प्रक्रिया का विध्वंस है।" प्रमाणित कीजिये। (150 शब्द) 10
"Repromulgation of Ordinance is a fraud on the constitution and a subversion of democratic legislative process". Substantiate. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

→ भारतीय संविधान विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान है। इसी के साथ संविधान नियम, विनियम बनाने हेतु प्रस्ताव पारित करने अथवा अध्यादेश जारी करने का प्रावधान भी करता है।

मुख्यतः अध्यादेश तब जारी किया जाता है, जब संसद का कोई एक अथवा दोनों सदन कार्यरत नहीं होते है।

सामान्यतः एक अध्यादेश को अल्प समय के लिए एक नियम के रूप में माना जाता है, जो पूर्णतः विधिसम्मत होता है; परंतु विभिन्न परिदृश्यों में इसका समय-समय पर लागू रहने की अवधि में राजनीतिक लाभों की दृष्टि से परिवर्तन किया जाता रहा है।

उक्त समयावधि परिवर्तन नकारात्मक रूप से लोकतांत्रिक व्यवस्था को प्रभावित करता है। इसके कुछ नकारात्मक बिंदु प्रमुख हैं:

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

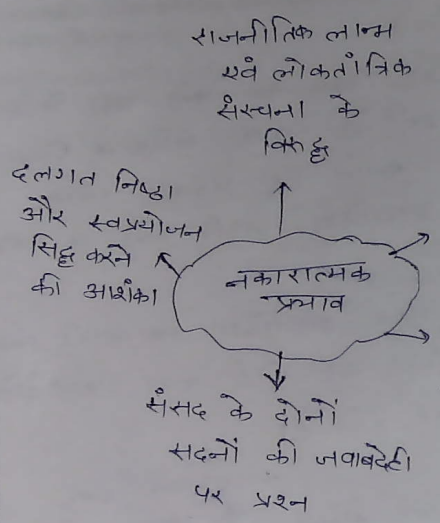

उक्त माध्यमों के आधार पर अध्यादेश का पुनः प्रख्यापन लोकतांत्रिक मूल्यों का हनन कर सकता है साथ ही यह निरंकुशता की ओर इशारा भी करता है, जो भारत जैसे राष्ट्रों की संप्रभुता का हनन है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

2. "मूल संरचना का सिद्धांत आवश्यक और वांछनीय दोनों है।" कथन का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

"Doctrine of basic structure is both necessary and desirable." Critically analyze the statement. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारतीय संविधान का लिखित रूप है, जो समय-समय पर विभिन्न संशोधनों द्वारा संशोधित किया जाता रहा है। साथ ही भारत को कल्याणकारी राष्ट्र बनाने हेतु एवं समयसंगत रखने हेतु ये संशोधन अनिवार्य है।

परंतु सन् 1973 में इसी संदर्भ में केशवानंद भारती वाद में उच्चतम न्यायालय ने मूल संरचना / आधारभूत संरचना का सिद्धांत प्रतिपादित किया, जो वर्तमान परिदृश्य में सुसंगत है।

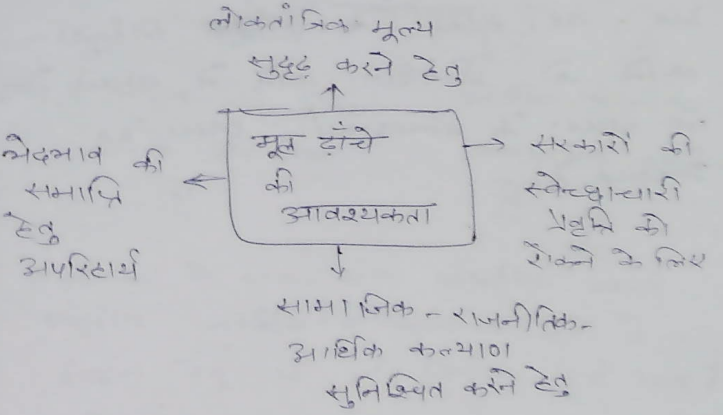

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उक्त संदर्भों के अलावा इसकी बाध्यनीयता के अन्य आयाम भी हैं:

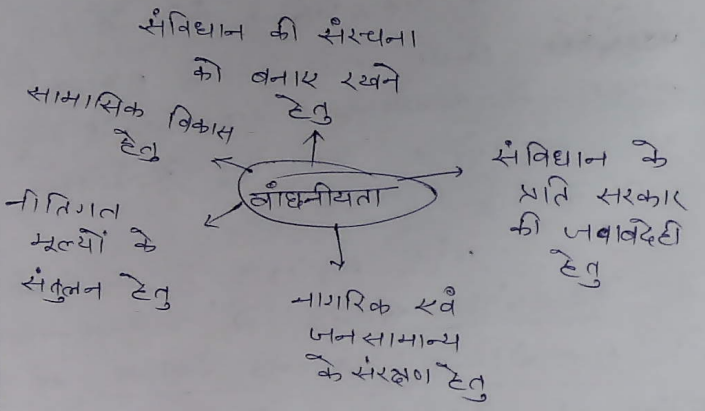

चूँकि उक्त संदर्भों से मूल ढाँचे के सिद्धांत की व्यवहारिकता परिलक्षित होती है, अतः यह सरकार के निरंकुश बनने को प्रतिबंधित करने में सहायक होगा, जो भारत के कल्याणकारी स्वरूप हेतु आवश्यक है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

3. भारतीय प्रवासी समुदाय की प्रासंगिकता तथा भारत के आर्थिक एवं सामरिक हितों के संवर्द्धन में इनकी भूमिका पर चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10
Discuss the significance of India's diaspora and its role in enhancing India's economic and strategic interests. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

→ भारत की जनसंख्या विश्व पटल पर सर्वाधिक है। साथ ही भारतीय प्रवासी समुदाय विश्व भर में लगभग प्रत्येक जगह आवास कर रहा है, जो भारतीय दृष्टिकोण से भारत के विकास एवं आधुनिकीकरण में महती भूमिका निभा सकता है।

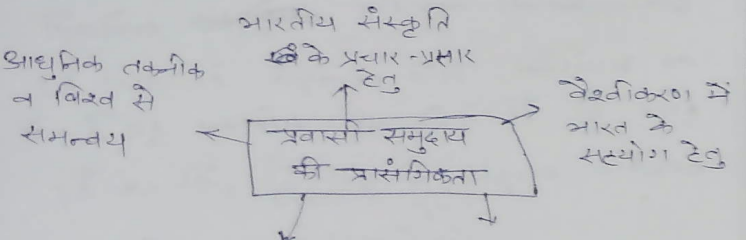

प्रासंगिकता के साथ-साथ भारतीय प्रवासी समुदाय आर्थिक व सामरिक हितों के संवर्द्धन हेतु भी अति निर्णायक एवं अहम् हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

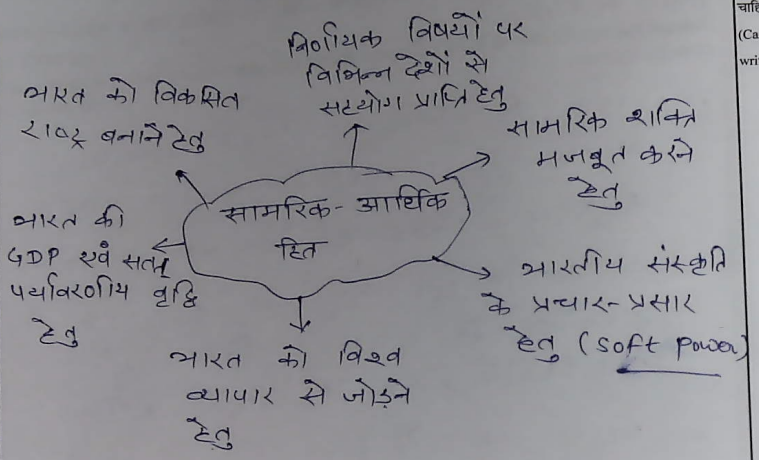

उक्त संदर्भों को ध्यान में रखकर प्रधानमंत्री द्वारा प्रवासी भारतीय ~~सम्मेलन~~ सम्मेलनों का आयोजन अति महत्वपूर्ण हो जाता है। हाल ही में ऐसे कई सम्मेलन हुए हैं। ये भारतीय समुदाय की जड़ों को जोड़े रखते हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

4. "राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) एक अनूठा मंच है, जिसे देश भर में पर्यावरणीय मुद्दों को स्वत: संज्ञान में लेने की शक्तियाँ प्राप्त हैं।" इस संदर्भ में राष्ट्र के पर्यावरण शासन में NGT के महत्त्व का विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10

"National Green Tribunal (NGT) is a unique forum endowed with suo motu powers to take up environmental issues across the country." In this context analyse the importance of NGT for environmental governance of the nation. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(NGT) से आशय राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण से है। राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण का गठन राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण अधि०, 2010 द्वारा हुआ है। इसके द्वारा पर्यावरणीय दृष्टिकोण के आधार पर मामले स्वत: संज्ञान में लिए जाते है साथ ही उनका निर्णय प्राकृतिक न्याय (Due process of law) के अनुसार लिया जाता है।

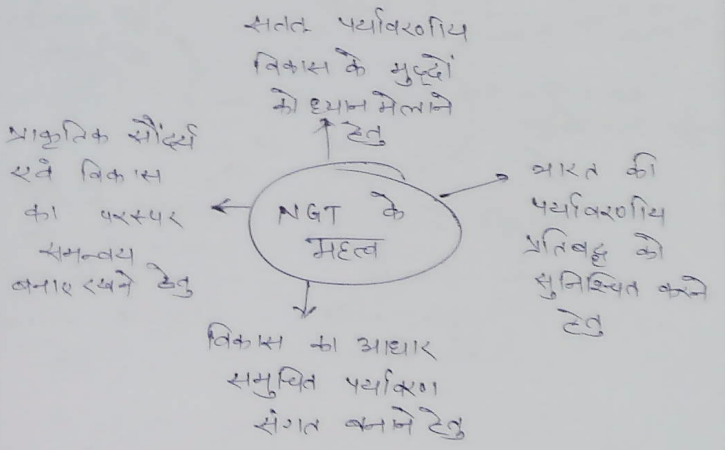

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

NGT की 5 पीठ है जिनमें भोपाल, देहरादून, दिल्ली इत्यादि हैं।

NGT द्वारा दिए गए निर्णय बाध्यकारी एवं अंतिम होते हैं।

इसी आधार पर हाल ही में केरल में ठोस कूड़े के ढेर में आग लगने वाले हादसे को लेकर NGT द्वारा केरल सरकार पर जुर्माना लगाया है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

5. भारत में न्यायिक सक्रियता का महत्त्वपूर्ण योगदान एक सुरक्षा वाल्व तथा यह विश्वास प्रदान करना है कि न्याय पहुँच से परे नहीं है। कथन का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10

The great contribution of Judicial activism in India has been to provide a safety valve and a hope that justice is not beyond reach. Critically analyze the statement. (150 words) 10

न्यायिक सक्रियता से तात्पर्य न्याय की तीव्रतम निपटारे के साथ ही न्याय का स्वरूप व्यवहारिक होने से है।

भारतीय परिदृश्य में न्यायिक सक्रियतावाद मूलतः संविधान में नहीं था ; परंतु कालांतर में यह अवधारणा सामने आयी, जो न्याय को सुविधाजनक एवं तीव्र गति से उपलब्ध कराने के संदर्भ में परिलक्षित होती है।

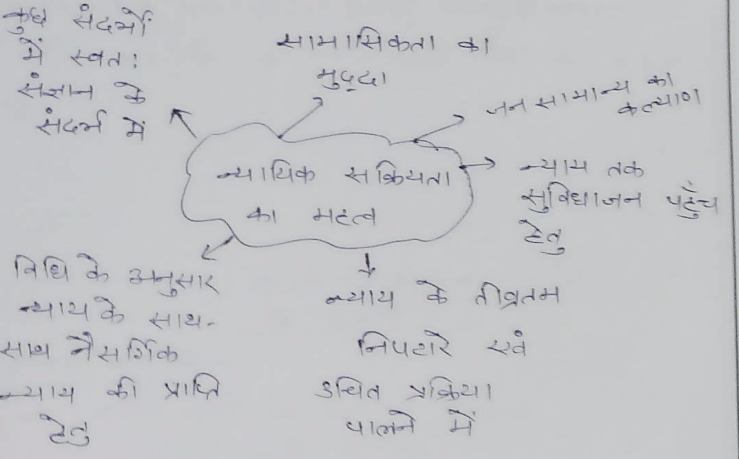

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

न्यायिक सक्रियता का यह सिद्धांत न केवल हाशिए पर सबसे अंतिम व्यक्ति को न्याय उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक है अपितु न्याय की उपलब्धता को व्यवहारिक बनाने हेतु भी आवश्यक है।

इसी आधार पर जनहित याचिका जैसे सिद्धांतों का प्रयोग भारतीय न्याय व्यवस्था में प्रचलित है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

6. चुनावों के राज्य वित्तपोषण की अवधारणा से आप किस सीमा तक सहमत हैं? (150 शब्द) 10
To what extent do you agree with the concept of state financing of elections?
(150 words) 10

चूंकि भारत एक लोकतांत्रिक देश है। अतः चुनाव भारत में आवश्यक एवं संवैधानिक रूप से स्वीकार्य है।

आम तौर पर सरकार का निर्माण भी इसी के आधार पर होता है।

चुनावों की बात करें, तो राज्य वित्तपोषण का मुद्दा व्यवहारिक है। हालाँकि वित्तपोषण एक सीमा तक सहनीय अथवा उचित हो सकता है परंतु इसका अतिवादी रूप न केवल चुनाव को प्रभावित करेगा (नकारात्मक रूप से); अपितु जन सामान्य में भी अशांति का वातावरण पैदा कर सकता है।

राज्य वित्तपोषण के प्रभाव

सीमित रूप में:

→ सभी दलों को समान अवसर
→ अनुचित खर्चे से रोक
→ पक्षपात तथा भेदभाव की संभावना कम

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

→ आम आदमी का विकास परिलक्षित
→ पूर्णतः व्यवहारिक

असीमित / अनियमित रूप:

→ किसी एक दल के संप्रभुता का खतरा
→ चुनावों में पक्षपात
→ भेदभाव एवं दलगत निष्ठा
→ धन शोधन की समस्या
→ नकारात्मक अनुनयन

उक्त संदर्भों में चुनावों में राज्य वित्त पोषण एक निश्चित सीमा के साथ सभी दलों हेतु समान रूप से होना सकारात्मक रहेगा। साथ ही धन-शोधन जैसी समस्याओं से छुटकारा भी मिल सकेगा।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

7. सामाजिक अंकेक्षण, जवाबदेहिता को लागू करने और प्रशासन में पारदर्शिता लाने का एक महत्त्वपूर्ण तंत्र है। भारत में सामाजिक अंकेक्षण के लिये उपलब्ध विभिन्न विधायी समर्थनों पर प्रकाश डालिये। (150 शब्द) 10

Social Audit is an important mechanism to enforce accountability and provide transparency in the administration. Highlight various legislative supports available for social audit in India. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत एक विविधतापूर्ण राष्ट्र है। साथ ही भारतीय प्रशासन की दृष्टि से भी भारत अत्यधिक विविध है तथा व्यापक है। ऐसे में भ्रष्टाचार, लाल फीताशाही जैसी समस्याएँ न केवल मुखर हो सकती हैं; अपितु ये पूरी व्यवस्था को प्रभावित कर सकती है। अतः सामाजिक अंकेक्षण जवाबदेहिता और पारदर्शिता हेतु आवश्यक है।

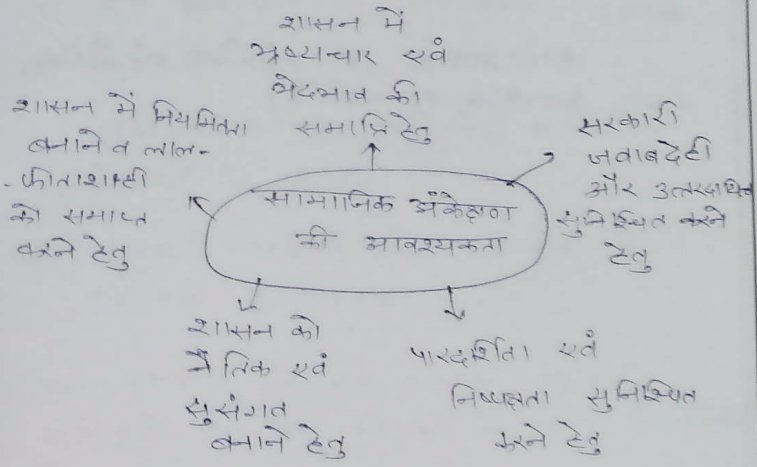

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इन उपभोगिताओं के आधार पर सरकार द्वारा समय-समय पर कुछ प्रयास किए गए हैं:

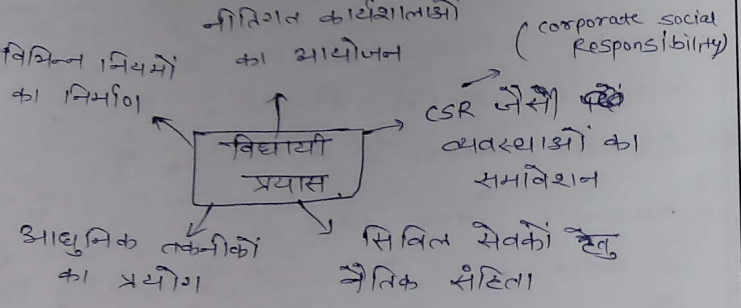

सामाजिक अपेक्षा न केवल व्यक्ति विशेष के नैतिक एवं उत्तरदायी बनाएगा बल्कि पूरे समाज को नैतिक बनाने में भी सहायक होगा।

इसी आधार पर नवोन्मेष एवं नैतिक मार्ग अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

8. प्रस्तावित बहु-राज्य सहकारी समिति (संशोधन) विधेयक, 2022 भारत में सहकारी समितियों के संचालन में सुधार का उद्देश्य रखता है। इस संशोधन के महत्त्व पर बल देते हुए इसके प्रमुख प्रावधानों पर चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

The proposed multi-state cooperative societies (Amendment) Bill 2022 seeks to revamp the operation of cooperative societies in India. Discuss the key provisions of the Bill, emphasizing the importance of this amendment. (150 words) 10

भारतीय संविधान की राज्य सूची के अनुसार सहकारी समिति राज्य सूची का विषय है। सहकारी समिति कुछ सदस्यों का संगठन होता है, जो गैर-लाभकारी उद्देश्यों से लोगों को सुविधाएँ मुहैया कराता है।

हाल ही में बहुराष्ट्रीय सहकारी समिति (संशोधन) विधेयक, 2022 प्रस्तावित किया गया, जिसके कुछ प्रावधान निम्नलिखित हैं:

1.) एक क्षतिपूर्ति कोष का गठन

2.) बहुराज्यीय सहकारी समितियों का पंजीकरण रजिस्ट्रार ऑफ मल्टीस्टेट कोऑपरेटिव सोसायटी के अंतर्गत

3) सहकारी समिति को अन्य क्षेत्रों में कार्य करने का प्रस्ताव

उक्त प्रस्तावों के साथ-साथ सहकारी समितियों पर इस नियम के महत्व निम्नलिखित हैं:

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

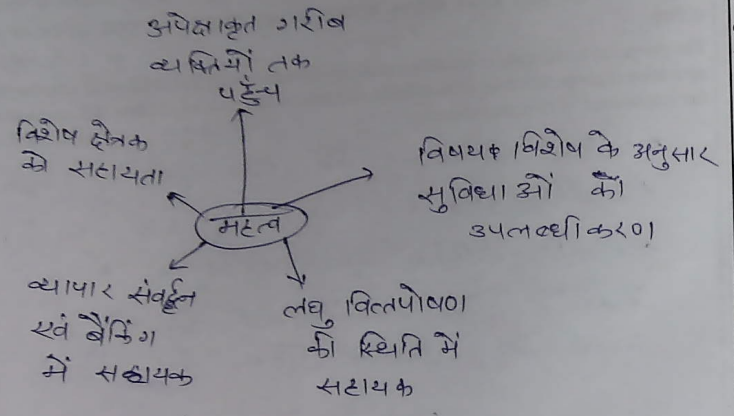

उपर्युक्त महत्वों के आधार पर सहकारी समितियों द्वारा व्यापार-व्यवसाय के साथ-साथ अर्थव्यवस्था को भी विस्तृत किया जा सकता है। इस आधार पर एक जिला-एक उत्पाद जैसी परियोजनाओं में इनकी महत्ता सतर्कता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

9. 73वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये, जो जमीनी स्तर पर लोकतंत्र की स्थापना करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। (150 शब्द) 10

Critically evaluate the 73rd Constitutional Amendment Act 1992, that seeks to establish democracy at the grassroots. (150 words) 10

भारतीय संविधान का स्वरूप लचीला अपेक्षाकृत ज्यादा मालूम पड़ता है। इसी आधार पर इसमें लगभग 105 संशोधन पारित हो चुके है।

वस्तुतः 73 वाँ संविधान संशोधन संवैधानिक दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण है, जिसके माध्यम से पंचायतों को संविधान में शामिल किया गया।

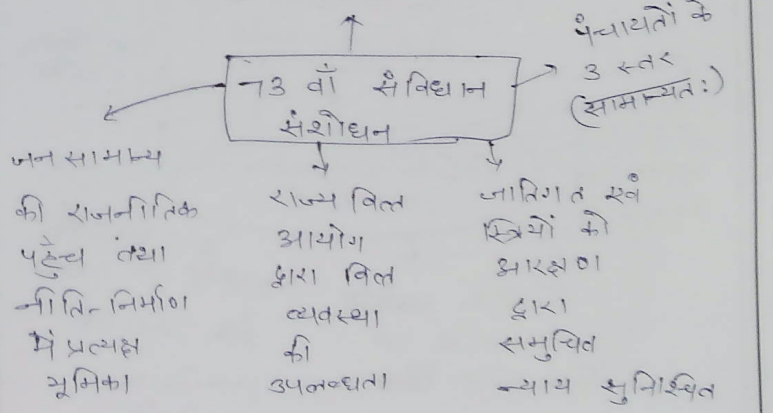

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

क्योंकि पंचायतों का गठन ग्राम सभा के सदस्यों से होता है, जो शासन का जमीनी स्तर से जुड़ाव प्रदर्शित करता है।

इस संशोधन इस भारतीय जनमानस प्रशासन से जानकार हो पाय। एवं नीति-निर्माण में सक्रिय रूप से भाग ले सका। यह संशोधन विकसित भारत की नींव का कार्य करेगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

10. जनगणना में होने वाली देरी से विकासात्मक पहलों की प्रभावशीलता और दक्षता प्रभावित होने की संभावना बनी रहती है। चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Delay in Population census has the potential to affect the efficacy and efficiency of developmental initiatives. Discuss. (150 words) 10

भारत में प्रत्येक 10 वर्षों में जनगणना का प्रावधान है। पिछली जनगणना वर्ष 2011 में हुई थी; परंतु वर्तमान में 2021 में होने वाली जनगणना कोरोना संक्रमण के कारण आगे प्रस्तावित कर दी गई है।

इसी आधार पर जनगणना में होने वाली देरी विकासात्मक पहलों के नज़रिए से नकारात्मक होती है।

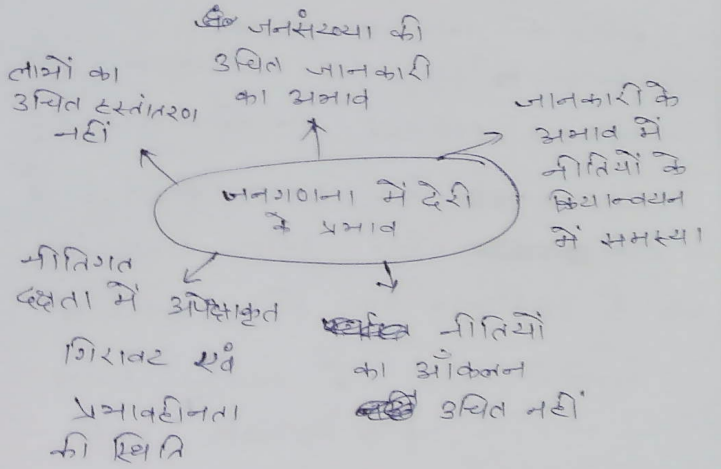

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

जनगणना में देरी से जनसंख्या का
अनुमान पूर्णतः सटीक नहीं बैठ पाता और
इसी आधार पर उठाए गए नीति निर्माण
के कदम गलत सिद्ध हो सकते हैं, जिससे
नीतियों के साथ-साथ शासन के क्रियान्वयन
की क्षमता में न केवल कमी अपितु
विसंगति उत्पन्न हो सकती है।
(जैसे- गरीबी निवारण हेतु प्रयासों में)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

11. बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य के आलोक में भारत-जापान सामरिक संबंधों में सहयोग के उभरते क्षेत्र और चुनौतियाँ क्या हैं? (250 शब्द) 15

In light of the changing geopolitical landscape, what are the emerging areas of cooperation and potential challenges in the India-Japan strategic relationship? (250 words) 15

भारत हिंद महासागर में केंद्रीय स्थिति पर अवस्थित है। भारत का समुद्री व्यापार लगभग सभी राष्ट्रों से है। इसी आधार पर भारतीय भू-राजनीति भी केंद्रीय रूप से निर्णायक ठहरती है।

भारत का अन्य देशों के साथ सहयोग न केवल व्यापार हेतु अत्यावश्यक है; अपितु सामरिक रूप से भी अत्यधिक महत्वपूर्ण है।

भारत - जापान के संबंध हिंद महासागर और प्रशांत महासागरीय दृष्टिकोण से भी अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं; चूंकि भारत एवं जापान का खतरा चीन एवं विश्व का आतंकवाद के प्रति नज़रिया है। अत: भारत - जापान के मध्य विभिन्न क्षेत्रक महत्वपूर्ण हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

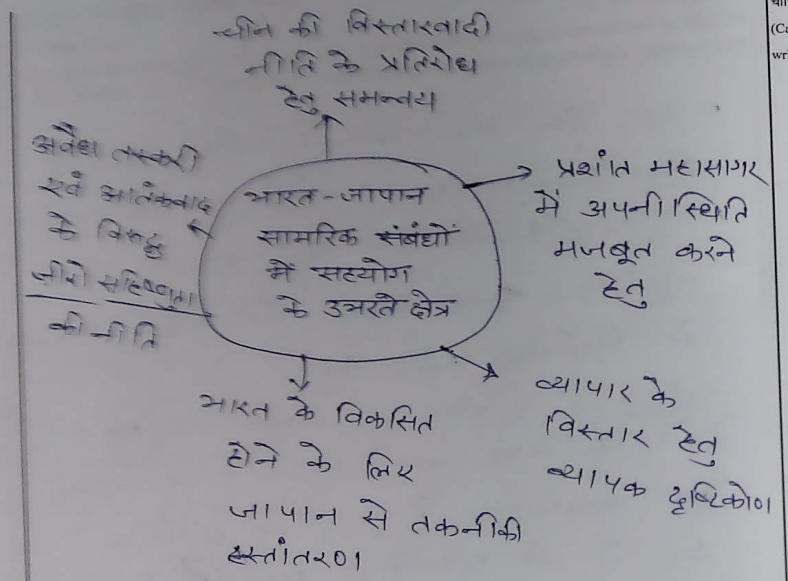

उक्त क्षेत्रों के साथ अन्य भी क्षेत्रक हैं; परंतु इन क्षेत्रों के समक्ष अनेक चुनौतियाँ भी व्यवहारिक तौर पर दोनों राष्ट्रों के सम्मुख है, जो सहयोग के लिए खतरा उत्पन्न कर रही है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

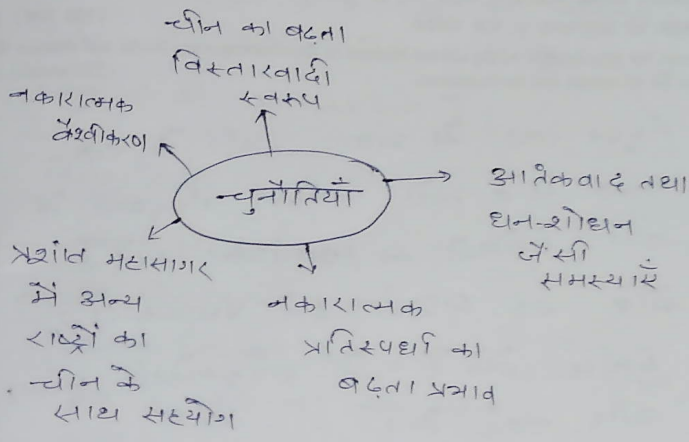

उपर्युक्त चुनौतियाँ न केवल भारत ; अपितु जापान के लिए भी नकारात्मक परिदृश्य पैदा करती है ; जिसका एक उदाहरण दक्षिणी चीन सागर में विवाद है।

अतः भारत को जापान के साथ अपना सहयोगात्मक नजरिया विकसित कर अर्थव्यवस्था व सामरिक रूप से व्यापक विकास करना है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

12. समकालीन वैश्विक व्यवस्था में संयुक्त राष्ट्र के महत्त्व का आकलन कीजिये तथा इसके सुधार और पुनरुद्धार की आवश्यकता पर चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

Assess the significance of the United Nations in the contemporary world and discuss the need for its reform and revitalization. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

संयुक्त राष्ट्र से आशय राष्ट्रों के एक समूह से है, जो विभिन्न परिदृश्यों में वार्ता/संगोष्ठी का आयोजन करते हैं और एक निश्चित एवं प्रभावकारी निर्णय लेते हैं, जो सर्वसमावेशी, सुसंगत और सतत हो।

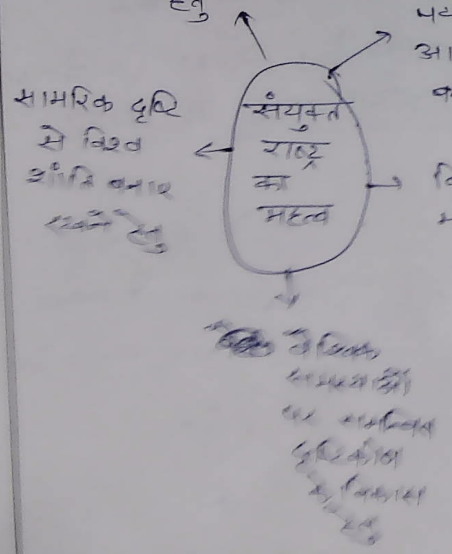

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उक्त महत्वों के होते हुए भी संयुक्त राष्ट्र में अनेक विसंगतियाँ हैं, जिनके सुधार की आवश्यकता है।

विसंगतियाँ:

- अमेरिका का प्रभुत्व
- विकसित राष्ट्रों का वर्चस्व
- अल्प विकसित राष्ट्रों व विकासशील राष्ट्रों के मतों का कम महत्व

[redacted]

अत समस्याओं हेतु कुछ सुधार निम्नांकित हैं।

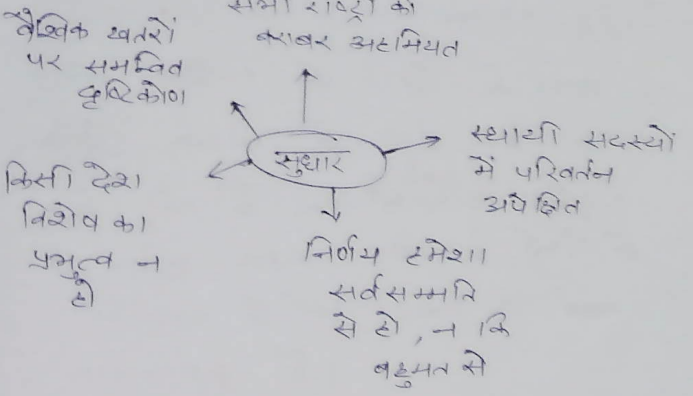

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

इन सुधारों की आवश्यता निम्नलिखित उद्देश्यों हेतु आवश्यक है:

→ अर्थव्यवस्थाओं को वैश्विक बनाने हेतु
→ अपराधों को समन्वित तरीके से नियंत्रित करने हेतु
→ व्यापार के विकास हेतु
→ गरीब राष्ट्रों के उत्थान हेतु

अतः संयुक्त राष्ट्र के विभिन्न स्तरों पर एवं संस्थाओं में सुधार अपेक्षित है, जो न केवल एक बेहतर भविष्य हेतु आवश्यक है; अपितु वैश्विक दृष्टिकोण से भी आवश्यक है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

13. उन कारकों एवं भू-राजनीतिक हितों पर चर्चा कीजिये जो मध्य एशिया के साथ भारत के संबंधों को एक आकार प्रदान करते हैं। उन कदमों का भी उल्लेख कीजिये जिन्हें भारत को इस क्षेत्र में अपनी पहुँच बढ़ाने के लिये उठाने की आवश्यकता है। (250 शब्द) 15

Discuss factors and geopolitical interest which shapes India's engagement with central Asia. Also Mention steps which India need to take to enhance its reach in the region. (250 words) 15

भारत एक प्राचीन सभ्यता को समेटे हुए है। भारत पुराने समय से ही अन्य राष्ट्रों के साथ अपना व्यापार सुनिश्चित एवं सकारात्मक रूप से करता हुए था।

भारतीय भू-राजनीति प्राचीन समय से ही अद्वितीय रही है। इसी आधार पर वर्तमान समय में भारत द्वारा विश्व के अन्य राष्ट्रों से संबंध कायम करने हेतु भी अधिक से अधिक प्रयत्न किए जा रहे हैं।

भारत द्वारा मध्य एशिया के राष्ट्रों के साथ संबंध बनाने के पीछे कई कारक एवं हित हैं, जो न केवल भारतीय परिदृश्य से अपितु मध्य एशियाई देशों के परिदृश्य से भी उतना ही लाभदायक है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

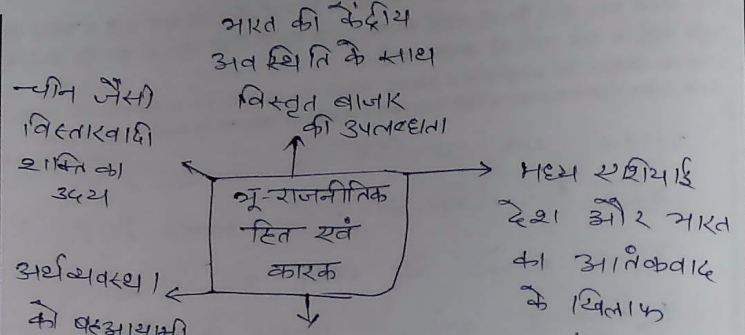

उक्त कारक भारत एवं मध्य-एशियाई राष्ट्रों के संबंधों को आकार-प्रकार प्रदान करने में निर्णायक हैं। साथ ही भारत को अपनी उपस्थिति बढ़ाने हेतु कुछ अतिरिक्त उपाय करने की आवश्यकता है, जो निम्न-लिखित तरीके से बताए जा सकते हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

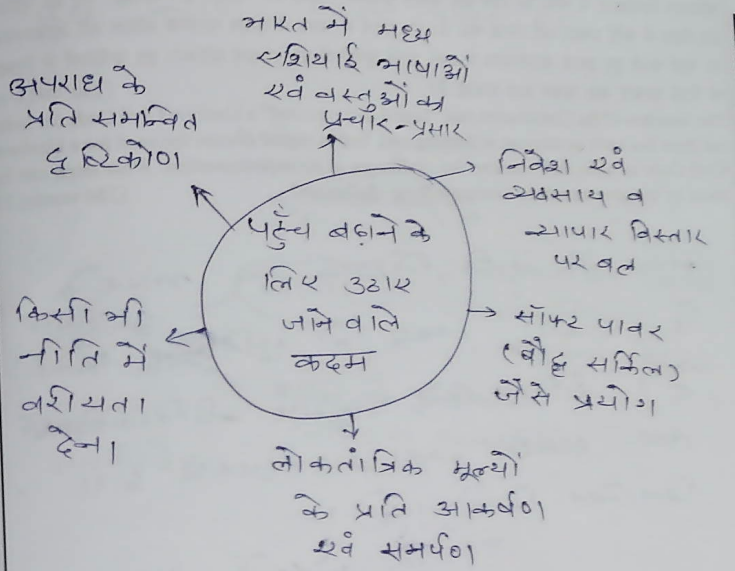

अतः नियम भारत एवं मध्य-एशियाई देशों के संबंधों को निखारने में सहायक होंगे, जो संयुक्त राष्ट्र जैसे मंच पर भारत के सहयोग में देशों का विश्वास कायम रखने के लिए आवश्यक होगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

14. संविधान निर्माताओं ने भारत के लिये एक समान नागरिक संहिता की "आशा और अपेक्षा" की थी, लेकिन इस दिशा में कोई प्रयास नहीं किया गया है। इस संदर्भ में भारत में समान नागरिक संहिता की आवश्यकता पर चर्चा करते हुए इसके कार्यान्वयन में आने वाली चुनौतियों का परीक्षण कीजिये। इन चुनौतियों से निपटने के लिये सरकार क्या कदम उठा सकती है? (250 शब्द) 15

The founders of the Constitution had "hoped and expected" a Uniform Civil Code for India but there has been no attempt at framing one. In this regard discuss the need for a Uniform Civil Code in India and examine the challenges in its implementation. What steps can be taken by the government to overcome these challenges? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत में नीति निदेशक तत्व भारत के कल्याणकारी स्वरूप को सुनिश्चित करते हैं। संविधान के अनुसार नीति-निदेशक तत्व समय- समय पर सरकार द्वारा क्रियान्वित किए जाएँगे।

इनमें अनु॰ 44 समान नागरिक संहिता की बात करता है। समान नागरिक संहिता से आशय प्रत्येक व्यक्ति एवं धर्म के लिए उत्तराधिकार, विवाह का अधिकार का क्रियान्वयन समान रूप से होगा।

वर्तमान परिदृश्य में प्रत्येक धर्म हेतु इसका एक अलग नियम अथवा परंपरा है। इस संदर्भ में इसकी आवश्यकता के

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कुछ कारण निम्नलिखित हैं।

वर्तमान समय में समान नागरिक संहिता आवश्यक है। परंतु इसके समक्ष चुनौतियाँ भी हैं।

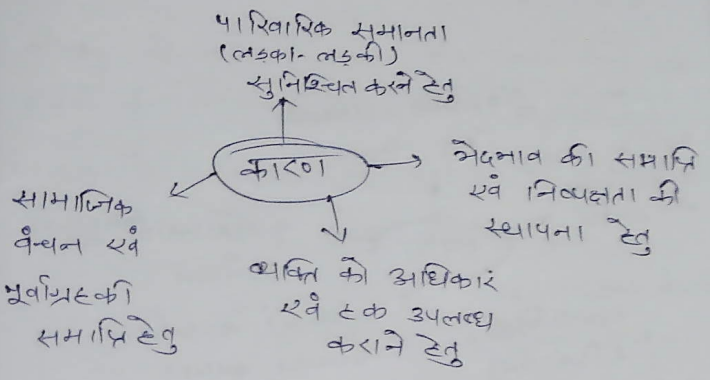

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

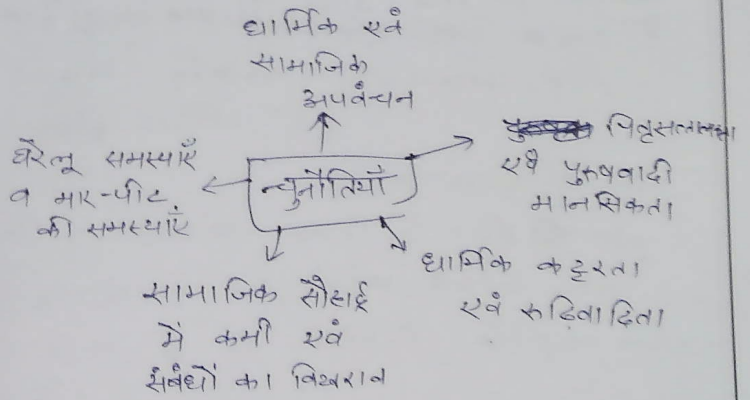

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

uddrishti दृष्टि The Vision

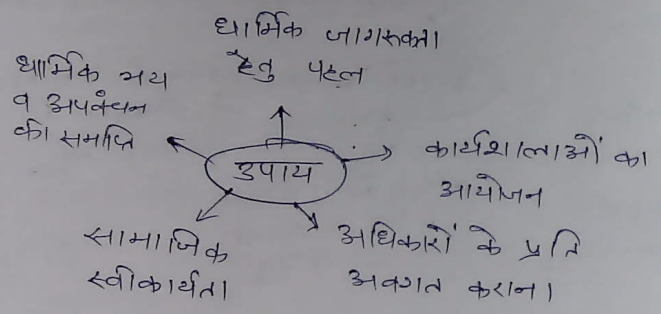

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उक्त चुनौतियों से निपटने हेतु सरकार द्वारा कुछ कदम उठाए जा सकते हैं।

उक्त कदमों के आधार पर समान नागरिक संहिता को लागू किया जा सकता है, जो प्रत्येक व्यक्ति को केंद्र में ला खड़ा करेगी। वर्तमान में मात्र गोवा में यह लागू है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti दृष्टि The Vision

15. "भारतीय संसद एक संप्रभु विधायिका नहीं है; इसकी शक्तियाँ विशाल हैं लेकिन असीमित नहीं।" कथन पर टिप्पणी कीजिये। (250 शब्द) 15

"The Indian Parliament is not a sovereign legislature; it has vast but not unlimited powers." Comment on the statement. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

संप्रभु से तात्पर्य सारे निर्णय स्वयं लेने एवं स्वयं ही प्रक्रिया तय करने से है। भारत के संदर्भ में संसद की शक्तियाँ अत्यधिक हैं; परंतु सीमित है।

इस संदर्भ में भारतीय संविधान सर्वोच्च है तथा संसद द्वारा किया गया कोई भी निर्णय संविधान से असंगत होने पर वह निर्णय मान्य नहीं होता।

भारतीय संसद का मुख्य स्वरूप विधायिका का है; जिसमें लोकसभा, राज्यसभा और राष्ट्रपति शामिल हैं।

चूंकि भारत की संसद नीति निर्माण करती है; परंतु इस बात का विशेष ध्यान रखना होता है कि नीतियाँ संविधान संगत हों।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

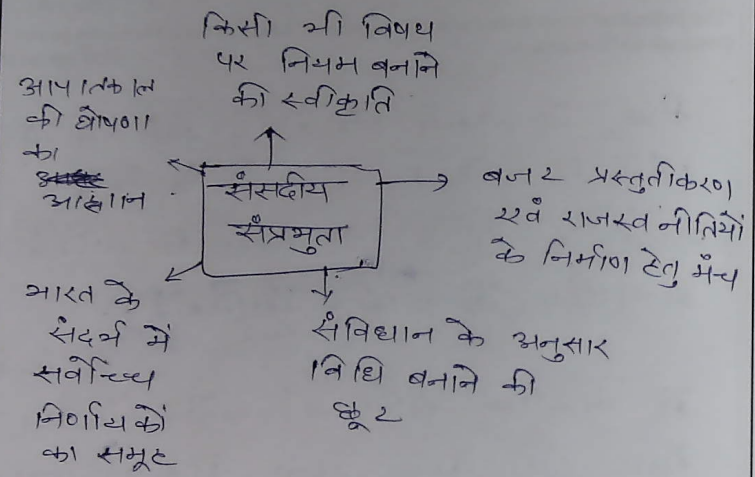

संसदीय संप्रभुता पर कुछ युक्तियुक्त नियंत्रण हैं।

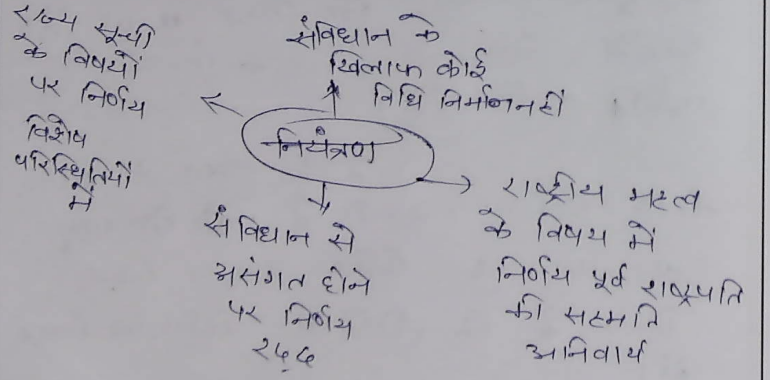

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

चूँकि संसद का स्वरूप काफी हद तक संप्रभु है ; परंतु असल मायनों में संविधान सर्वोच्च है। इससे असंगत होने के कारण सुप्रीम कोर्ट ने 99वें संविधान (NJAC) संशोधन को खारिज कर दिया था, जो इस बात की पुष्टि करता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

16. वैश्वीकरण के युग में, विदेश नीति को आकार देने में पैरा डिप्लोमेसी की अवधारणा का महत्त्व उत्तरोत्तर बढ़ा है और यह अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में उपराष्ट्रीय अभिकर्त्ताओं की बढ़ती भूमिका को प्रदर्शित करता है। भारत के संदर्भ में सविस्तार वर्णन कीजिये। (250 शब्द) 15

"In the era of globalization, the concept of Para diplomacy has become increasingly important in shaping foreign policy, highlighting the growing significance of subnational actors in international relations". Elaborate in the context of India. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

→ वैश्वीकरण के दौर में प्रत्येक राष्ट्र स्वयं को सुविकसित एवं वैश्विक नेतृत्वकर्ता बनाने हेतु कार्यरत है।

इसी संदर्भ में किसी भी देश की विदेश नीति के साथ-साथ व्यापार नीति, सुरक्षा नीति, सामरिक दृष्टिकोण भी महत्वपूर्ण हैं।

किसी देश की विदेश नीति को आकार देने के लिए पैरा डिप्लोमेसी की अवधारणा को महत्व कालान्तर में विकसित हुआ है।

प्राचीन समय से भारत के साथ अन्य राष्ट्र संबंध स्थापित करने हेतु यह नीति अपनाते हुए आए हैं, परंतु वह सीमित रूप

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

में दिखाई पड़ती है।

वर्तमान संदर्भों में यह उपराष्ट्रीय अभिकर्ताओं की बढ़ती भूमिका को प्रदर्शित करता है।

भारतीय संदर्भों में बात करें तो पैरा डिप्लोमेसी भारत के अन्य राष्ट्रों के साथ व्यापार, जन-संपर्क इत्यादि को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

→ पैरा डिप्लोमेसी से संबंध व्यवहारिक प्रतीत होते हैं।

→ गैर राजनीतिक व्यक्तियों के साथ व्यवहार के कारण वे स्वभाविक तौर पर व्यवहारिक लगते हैं, जो जन सामान्य को आकर्षित करता है।

→ संगीत, कला, नृत्य इत्यादि क्षेत्र भी विभिन्न राष्ट्रों के साथ संबंध विकसित करने में महत्वपूर्ण सहायक होते हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

साथ ही कुछ राष्ट्रों के साथ धार्मिक आदान-प्रदान भी संबंधों के विकास हेतु आवश्यक है।

→ राजनीतिक तटस्थ व्यक्ति अपेक्षाकृत स्वाभाविक प्रतीत होता है एवं उसके द्वारा किस गए कृत्य जन-मानस पर ~~xx~~ गहरा प्रभाव डालते हैं।

अतः उक्त बिंदुओं के आधार पर राष्ट्रों के मध्य संबंध विकसित करने हेतु बढ़ती हुई उपराष्ट्रीय अभिकर्ताओं की भूमिका देशों के मध्य नय। आयाम विकसित करने हेतु महत्वपूर्ण सिद्ध हो रहे हैं।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

17. भारत की राष्ट्रीय भू-स्थानिक नीति के उद्देश्य, लक्ष्यों और महत्त्व पर चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15
Discuss the objective, goals and significance of India's National Geospatial policy. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत की अवस्थिति वैश्विक केंद्र में है। इसी आधार पर भारत के साथ लगभग प्रत्येक देश के व्यवसायिक एवं सामरिक महत्व के बिंदु जुड़े हैं।

भारत की राष्ट्रीय भू-स्थानिक नीति भी इन्हीं आधारों पर निर्धारित करती है।

<u>उद्देश्य</u>

→ भारतीय उपमहाद्वीप को केंद्र बनाया जाए (निम्न व्यापार, सामरिक दृष्टिकोण का)

→ सभी राष्ट्रों के साथ व्यवहार विकसित करना।

→ भारत को चीन ~~x~~ से अधिक प्रभावी रूप में उभरना।

→ भारत को विकसित राष्ट्र के रूप में उभारने हेतु

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

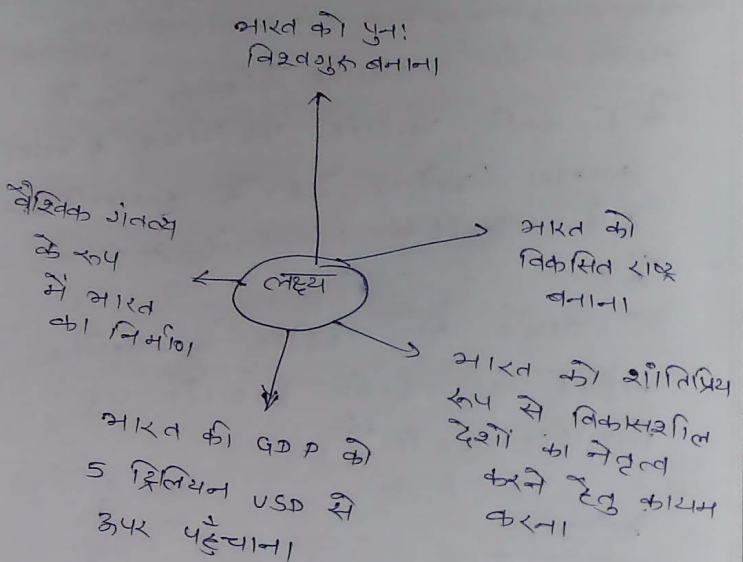

उक्त लक्ष्यों को पूर्ण करने के साथ राष्ट्रीय भू-स्थानिक नीति के महत्व निम्नलिखित हैं :

→ पड़ोसी प्रथम की नीति को सुदृढ़ करने के संदर्भ में

→ विश्वास एवं समन्वय स्थापित करने के संदर्भ में (पड़ोसियों के साथ)

→ भारत के विकास के मार्ग प्रशस्तिकरण हेतु

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

→ भारत के अनुसंधान एवं उपयोग के क्षेत्रक को मजबूत करने में

→ आधुनिक तकनीकों से अवगत होने हेतु एवं विकास हेतु

उक्त आधार पर भारतीय राष्ट्रीय भू-स्थानिक नीति न केवल भारत के परिदृश्य में आमूलचूल परिवर्तन हेतु आवश्यक है; बल्कि यह भारत के भविष्य को बेहतर बनाने में सहायता करेगी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

18. 'गरिमा मानव जीवन का सार है' और यही राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) का लक्ष्य है। मानवाधिकारों के संरक्षण में NHRC के प्रदर्शन का मूल्यांकन कीजिये। (250 शब्द) 15

'Dignity is the essence of human life' and it is the objective of NHRC. Evaluate the performance of NHRC in preserving human rights. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग भारतीय संदर्भ में संवैधानिक संस्था न होकर एक ~~संवैधानिक संस्था~~ महत्वपूर्ण संस्था है।

मानवाधिकार आयोग का लक्ष्य न केवल व्यक्ति विशेष के प्रति हिंसा, भेदभाव की समाप्ति है; बल्कि एक बेहतर समाज बनाने हेतु प्रतिबद्ध भी है।

भारतीय संदर्भ में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग प्रमुख कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है:

→ हिंसा का प्रतिकार
→ अहिंसा पर बल
→ भेदभाव का विरोध
→ समन्वय एवं बंधुता पर बल
→ सामाजिक शांति की स्थापना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

→ उग्रवाद के खिलाफ प्रदर्शन
→ फाँसी जैसे दंड का विरोध
→ मानव केंद्रीय प्राणी है

मुख्यतः मानवाधिकार आयोग विश्वास करता है कि किसी जीव की संवेदना महत्वपूर्ण होती है और उसे दर्द का अनुभव होता है।

इसी आधार पर किसी प्रकार की मानसिक, शारीरिक प्रताड़ना या यातना अपराध एवं अमानवीय है।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का प्रदर्शन:

→ कश्मीरी पंडितों के पक्ष में समर्थन
→ विभिन्न NGO के माध्यम से सामाजिक योगदान
→ वैयक्तिक केंद्रियता के साथ कार्य करने हेतु प्रतिबद्ध

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

→ सामाजिक सौहार्द्र की स्थापना में सहायक

→ विभिन्न दंगों में घायलों का उपचार एवं पुनर्समाजीकरण

उपर्युक्त प्रदर्शन के आधार पर मानवाधिकार आयोग मानव की संवेदना को केंद्रीय तत्व मानता एवं उसका समर्थन करता है।

इसी आधार पर नॉर्डिक देशों की भाँति शांति स्थापित करने में ये आयोग कार्यरत है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

19. स्वयं सहायता समूह (SHG) देश के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिये अत्यधिक महत्त्वपूर्ण हैं। इन समूहों को प्रोत्साहित करने के लिये सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

Self Help Groups (SHGs) are the panacea for the socio-economic development of the country. Discuss the steps taken by the government to promote these groups.

(250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

स्वयं सहायता समूह कुछ व्यक्ति विशेषों का समूह है, जो कुछ अंशदान देकर विभिन्न प्रकार के कार्य करते हैं, जो उन्हें एक व्यापक दृष्टिकोण एवं वित्तीय सक्षमता उपलब्ध कराने में सहायक होते हैं।

स्वयं सहायता समूह समाज के विकास एवं सौहार्द्र हेतु कार्य करते हैं। इसी आधार पर न केवल सामाजिक; अपितु आर्थिक विकास भी सुनिश्चित किया जा सकेगा।

वर्तमान मे भारत में कई स्वयं सहायता समूह कार्यरत हैं, जो मुख्यत: गरीब महिलाओं एवं वृद्धों की सहायता से चलाएँ जाते हैं, जो इनके साथ - साथ

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अन्य व्यक्तियों के आर्थिक-सामाजिक विकास हेतु निर्णायक शक्ति हो रहे हैं।

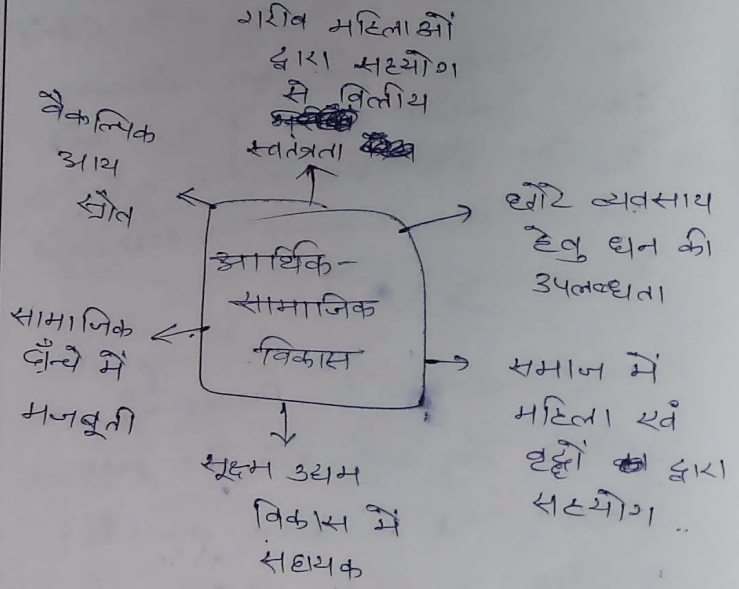

इन समूहों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार द्वारा कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।

ये कदम निम्नलिखित हैं:

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

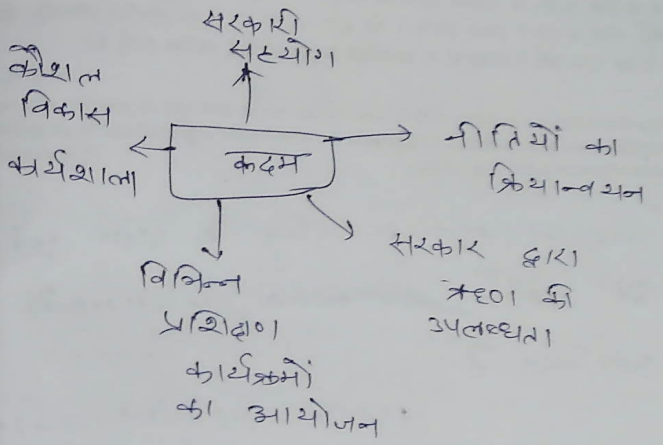

उक्त सहयोगों से भारत का ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र एक वैकल्पिक आय स्रोत प्राप्त कर सकेगा। जो भारत की आर्थिक व सामाजिक स्थिति सुधार में सहायक होगा।।

जैसे: केरल में कुटुम्बश्री मिशन।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

20. विश्व के लिये ताइवान के सामरिक महत्त्व का आकलन करते हुए यह निर्धारित कीजिये कि एक प्रमुख आर्थिक शक्ति के रूप में इसकी अवस्थिति और एशिया-प्रशांत क्षेत्र में एक संभावित फ्लैशपॉइंट क्षेत्र के रूप में यह 21वीं सदी में शक्ति के भू-राजनीतिक संतुलन को कैसे प्रभावित करता है? (250 शब्द) 15

Assess the strategic significance of Taiwan for the world, and how its position as a major economic power and a potential flashpoint in the Asia-Pacific region affects the geopolitical balance of power in the 21st century. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

ताइवान मुख्यतः चीन के दक्षिण पूर्व में प्रशांत ~~महासागर~~ महासागर में अवस्थित है।

ताइवान पर चीन अपना दावा व्यक्त करता आ रहा है तथा इस आधार पर वह ताइवान को अपने देश का भाग मानता है।

चूँकि ताइवान सेमीकंडक्टर चिप का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता देश है अतः इसकी अवस्थिति बहुत निर्णायक रूप से पूरे ~~एशिया~~ एशिया-प्रशांत क्षेत्र को प्रभावित करेगी।

इसके कुछ कारण निम्न प्रकार से बताए जा सकते हैं;

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

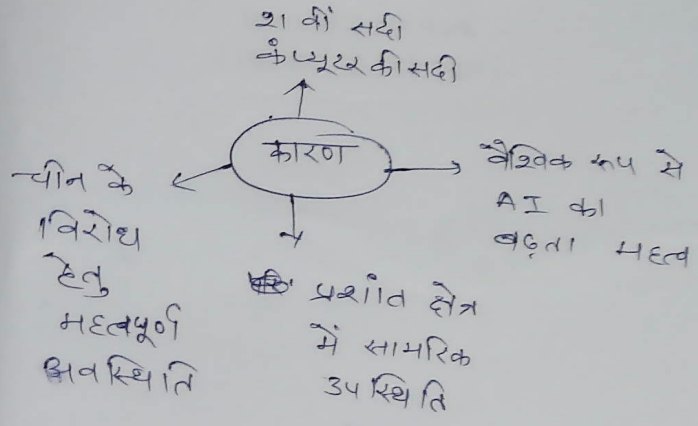

उक्त कारणों के आधार पर ताइवान की अवस्थिति न केवल सामरिक अपितु व्यापारिक दृष्टिकोण से भी निर्णायक है।

चूँकि 21 वीं सदी कंप्यूटर एवं वैश्विक प्रभाव की सदी है। अतः इस आधार पर प्रत्येक राष्ट्र अपनी स्थिति केंद्रीय करना चाहता है। अतः ताइवान

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

एशिया-प्रशांत में निर्णायक है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation